

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

The 19th April, 1995

No. 10814-AH-5-94/5592.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4-B of the Punjab Prohibition of Cow Slaughter Act, 1955 (Punjab Act 15 of 1956), and in continuation of the Haryana Government, Animal Husbandry Department, Notification No. 830-AH-5-93/1387, dated the 2nd February, 1993, the Governor of Haryana hereby appoints the veterinary Sugeons of Animal Husbandry Department, Haryana posted at District, Sub-Divisional, Tahsil, Block Level and Civil Veterinary Hospitals, to be the officers for the purpose of the said section within their respective jurisdiction.

R. S. VERMA,

Financial Commissioner and Secretary to Government
Haryana, Animal Husbandry
Department.

पशुपालन विभाग

दिनांक 19 अप्रैल, 1995

क्रमांक 10814-प. प.-5-94/5592.—पंजाब गोवध निषेध अधिनियम, 1955 (1956 का पंजाब अधिनियम-15) की धारा 4 ख को उप-धारा (1) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार पशुपालन विभाग अधिसूचना संख्या 830-प. प.-5-93/1387, दिनांक 2 फरवरी, 1993 के अनुसरण में हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, पशुपालन विभाग, हरियाणा के जिला/उप मण्डल, तहसील, खण्ड स्तर पर तथा नागरिक पशु चिकित्सा, हस्पताल, में तैनात पशु चिकित्सक सर्जनों को अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर उक्त धारा के प्रयोजन के लिए अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० एस० वर्मा,

चण्डीगढ़ :

दिनांक 31 जनवरी, 1985.

वित्तियुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
पशुपालन विभाग।

राजस्व विभाग

युद्ध जगीर

दिनांक 4 मई, 1995

क्रमांक 1049-ज-2-95/6399.—श्री जै राम, पुत्र श्री आशा राम, निवासी गांव सोहंल, तहसील पलवल, जिला गुड़गावां (अब फरीदाबाद) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 268-आर-III-69/8484, दिनांक 21 अप्रैल, 1969 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसंबर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री जै राम की दिनांक 7 नवंबर, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री जै राम की विधवा श्रीमती उमराई देवी के नाम रबी, 1995 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

बी० आर० बत्तार,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।